

राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–255/2026

राज्यपाल ने संविधान दिवस पर संविधान की प्रस्तावना का समूह पाठ कराया

पटना 26 नवम्बर, 2026 :– संविधान दिवस के अवसर पर बिहार लोक भवन में माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने भारत के संविधान की प्रस्तावना (Preamble) का सामूहिक पाठ कराया तथा संविधान के आदर्शों एवं मूल्यों के अनुपालन का संकल्प लिया। इस अवसर पर राज्यपाल की सचिव श्रीमती रचना पाटिल सहित राज्यपाल सचिवालय के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि संविधान हमारी शक्ति है और यह नागरिकों एवं समाज को सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि संविधान के प्रति सम्मान एवं प्रतिबद्धता को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखकर अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को संविधान, लोकतंत्र, नागरिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे में समझाने का आह्वान किया, ताकि आनेवाली पीढ़ियों में संविधान के प्रति सम्मान की भावना बनी रहे।

राज्यपाल ने कहा कि भारत की विविधता उसकी शक्ति है। संविधान ने इस विविधता को एकता के सूत्र में पिरोया है। उन्होंने 'टॉलरेंस' के स्थान पर 'एक्सेप्टेंस' अर्थात एक–दूसरे की संस्कृति, भाषा एवं इतिहास को स्वीकार करने की भावना को अधिक महत्वपूर्ण बताया।

राज्यपाल ने संविधान दिवस की शुभकामनाएँ भी दी।

राज्यपाल की सचिव श्रीमती रचना पाटिल ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना को केवल परीक्षा की तैयारी के लिए पढ़ना पर्याप्त नहीं है, बल्कि इसे जीवन में आत्मसात करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावना में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और व्यक्ति की गरिमा के आदर्श निर्णय लेने में उनका मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने सभी से संविधान की प्रस्तावना को अपने जीवन में उतारने तथा समाज में समरसता, सौहार्द एवं प्रेम बनाए रखने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर राज्यपाल सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मियों ने भी संविधान के महत्व एवं उसके मूल्यों पर अपने विचार व्यक्त किए।

.....